

दिनांक 23.06.2025

अधिसूचना/Notification

विषय:- एन.सी.आर.एफ.-2023 के अनुसार पुनर्व्यवस्थित त्रिवर्षीक / चतुर्वर्षीय शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा / प्रतिष्ठा शोध एवं द्विवर्षीय आचार्य / पञ्चवर्षीय शास्त्री-आचार्य (समेकित) पाठ्यक्रम रूपरेखा संचालित करने के संबंध में।

विद्वत्परिषद् की त्रयोदश बैठक में लिए गए निर्णयानुसार यह सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में पूर्व प्रचलित शास्त्री एवं आचार्य स्तर के पाठ्यक्रमों को यू.जी.सी राष्ट्रीय क्रेडिट रूपरेखा (NCRF-2023) के अनुरूप पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

इस निर्णय के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को नवीन पाठ्यक्रम रूपरेखा के अनुसार सत्र 2025-26 से विश्वविद्यालय के समस्त परिसरों, आदर्श महाविद्यालयों, आदर्श शोध संस्थानों एवं सम्बद्ध विद्यालयों/महाविद्यालयों में अधोलिखित प्रकार से संचालित किया जाना सुनिश्चित किया गया है:

- | | | |
|--|---|---|
| 1. चतुर्वर्षीय शास्त्री | - | विश्वविद्यालय के समस्त परिसर |
| 2. त्रिवर्षीय शास्त्री | - | विश्वविद्यालय से समस्त आदर्श, सम्बद्ध विद्यालय/महाविद्यालय |
| 3. द्विवर्षीय आचार्य | - | विश्वविद्यालय से समस्त परिसर, आदर्श, सम्बद्ध विद्यालय/महाविद्यालय |
| 4. पञ्चवर्षीय शास्त्री+आचार्य-
(समेकित पाठ्यक्रम) | - | विश्वविद्यालय के समस्त परिसर |

सभी सम्बन्धित संस्थानों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इस नवीन पाठ्यक्रम रूपरेखा के अनुसार आवश्यक प्रशासनिक एवं अकादमिक तैयारियाँ समयबद्ध रूप से पूर्ण करें तथा विश्वविद्यालय मुख्यालय द्वारा समय-समय पर प्रसारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें।



(प्रो. मदन मोहन झा)

अधिष्ठाता (शै.मा.)

प्रतिलिपि:

1. कुलपति कार्यालय
2. कुलसचिव कार्यालय
3. समस्त परिसर निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
4. समस्त आदर्श महाविद्यालय
5. समस्त आदर्श शोध संस्थान
6. समस्त सम्बद्ध विद्यालय/महाविद्यालय
7. विश्वविद्यालय वेबसाईट